केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 61 सोमवार 21 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डा. विनोद कुमार अध्यक्ष, शत्रुघ्न प्रसाद प्रबन्धक निर्वाचित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। किसान उच्चतर माध्यमिक विद्यालय समिति रसूलपुर, बस्ती और समिति द्वारा संचालित विद्यालय किसान इण्टर कॉलेज रसूलपुर तरेता, बस्ती की प्रबंध समिति का चुनाव विभागीय पर्यवेक्षक अनूप कुमार कुशवाहा, सह जिला विद्यालय निरीक्षक, की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। चुनाव में अध्यक्ष पद पर डॉ. विनोद कुमार पाण्डेय को चुना गया। प्रबंधक /मंत्री पद की जिम्मेदारी शत्रुघ्न प्रसाद पाण्डेय को सौंपी गई।

डा. सत्येन्द्र सिन्हा भाजपा बस्ती प्रभारी बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के संगठन द्वारा गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री डॉ. सत्येन्द्र सिन्हा को बस्ती जिले का जिला प्रभारी नियुक्त किए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में प्रसन्नता है।

डॉ. सत्येन्द्र सिन्हा इससे पूर्व बस्ती जिले में सदस्यता अभियान के प्रभारी के रूप में संगठनात्मक जिम्मेदारी निभा चुके हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी ने डॉ. सत्येन्द्र सिन्हा को बधाई देते हुए कहा कि सत्येन्द्र सिन्हा संगठन के अनुभवी एवं सक्रिय कार्यकर्ता हैं। बस्ती जिले में पूर्व में भी उन्होंने संगठनात्मक दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन किया है। उनके अनुभव और कार्यशैली का लाभ निश्चित रूप से संगठन को मिलेगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि डॉ. सत्येन्द्र सिन्हा का बस्ती जिले के कार्यकर्ताओं से पहले से ही आत्मीय जुड़ाव रहा है।

डॉ. सत्येन्द्र सिन्हा को जिला प्रभारी बनाए जाने पर वैभव पाण्डेय, गोपेश्वर त्रिपाठी, राजेश पाल चौधरी, जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा, प्रत्यूष विक्रम सिंह, भानु प्रकाश मिश्र, अखंड प्रताप सिंह, वीरेंद्र गौतम, ब्रह्मदेव यादव 'देवा', दिलीप पाण्डेय, शिवानी सिंह, शालिनी मिश्र, अभिषेक कुमार गौतम, प्रेम प्रकाश चौधरी, सुनील सिंह, राकेश शर्मा, राजेन्द्र राजभर, नीलम गौंड, प्रदीप निषाद, सुरेन्द्र कुमार चौधरी, सुधाकर पाण्डेय 'नीरज', विनय सिंह भारद्वाज, राधेश्याम कमलापुरी, रवि कुमार तिवारी, अजय पाल सिंह 'राजन' एवं नीरज त्रिपाठी सहित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

कुंआनों से शव बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र में अमहटघाट के पास रविवार सुबह कुआनो नदी में करीब 65 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। नदी में शव तैरता देखकर आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने नदी में शव को देखा था। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। स्थानीय लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों से संपर्क कर लापता लोगों की जानकारी जुटा रही है, ताकि शव की पहचान कराई जा सके।

33 लाख मतदाताओं को निर्वाचन आयोग की नोटिस, सूची में लालकृष्ण आडवाणी, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नाम भी शामिल

नई दिल्ली (आभा)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दिल्ली में एक बड़ा मामला सामने आया है। निर्वाचन आयोग द्वारा विवरणों में कथित विसंगतियों के कारण नोटिस पाने वाले 33 लाख मतदाताओं की सूची में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जैसी कई प्रमुख हस्तियों के नाम भी शामिल हैं।

98 वर्षीय आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को नोटिस जारी किए गए हैं, क्योंकि उनके नाम 2002 के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मतदाता सूची से मेल नहीं खा पाए। हालांकि, उनके बेटे जयंत इस मैपिंग प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पार कर चुके हैं। ये सभी नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं।

आप नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा और उनके बेटे मीर को भी नोटिस मिला है। अधिकारियों के अनुसार, बेटे मीर के नोटिस में माता–पिता के नाम में विसंगति और पत्नी सीमा के नोटिस में उनके अपने नाम में बेमेल का कारण बताया गया है।

इस सूची में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की प्रविष्टि को मान्य कर दिया गया है और शालीमार बाग निर्वाचन क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची (जो 4 नवंबर को प्रकाशित होगी) में उनके नाम को शामिल करने के लिए सुरक्षित कर लिया गया है।

30 जून से 17 अगस्त के बीच चलाए गए घर–घर सत्यापन अभियान के दौरान प्रत्येक मतदाता को एक गणना फॉर्म जमा करना आवश्यक था। मसौदा सूचियों में शामिल लगभग 97 लाख मतदाताओं में से 33.13 लाख मतदाताओं को उनके फॉर्म में विसंगतियों के चलते नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है, जिसमें से अब तक 31.63 लाख से अधिक नोटिस दिए जा चुके हैं।

रेखा चित्रगुप्त जेल विजिटर नामित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला मजिस्ट्रेट ने चित्रांश क्लब महिला विंग संरक्षक रेखा चित्रगुप्त पत्नी राजेश चित्रगुप्त को जेल विजिटर नामित किया है। रेखा चित्रगुप्त निरन्तर सामाजिक कार्यो में सक्रिय है। उन्हें जेल विजिटर नामित किये जाने पर अनेक लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

रेखा चित्रगुप्त ने यह जानकारी देते हुये बताया कि उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, पूरा प्रयास होगा कि दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन करते हुये कारागार व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में प्रभावी पहल हो।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का ब्लाक स्तरीय अधिवेशन 21 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला कार्यकारिणी और संयोजक मण्डल के निर्णय के अनुरूप जनपद के शेष 12 विकास खण्डों में ब्लॉक स्तरीय शैक्षिकोन्नयन संगोष्ठी, अधिवेशन और कार्यकारिणी का चुनाव कराया जाएगा। यह कार्यक्रम दिनांक 21 सितम्बर से 09 अक्टूबर के मध्य क्रमानुसार आयोजित किए जाएंगे।

यह जानकारी देते हुये जिला संयोजक देवेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर अवगत करा दिया गया है और खण्ड शिक्षा अधिकारियों के सहयोग से इसे शांतिपूर्ण व पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने का अनुरोध किया गया है।

संगठन ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग को पूरी तरह आश्वस्त किया है कि इन अधिवेशनों के आयोजन के दौरान परिषदीय विद्यालयों की नियमित शिक्षण व्यवस्था और बच्चों के पठन–पाठन का कार्य किसी भी स्तर पर प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।

उन्होने बताया कि विकास क्षेत्र दुबौलिया में 21 सितम्बर, रुधौली में 22 , परशुरामपुर में 24, बस्ती सदर 26 सल्टौआ में 28, विक्रमजोत 29 , गौर में 30 सितम्बर, हर्रैया में 5 अक्टूबर, साऊंघाट में 6 कप्तानगंज 7 अक्टूबर, बहादुरपुर में 8 और बनकटी में 09 अक्टूबर 2026 को अधिवेशन सम्पन्न कराये जाएंगे। संघ के नियमों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता के साथ अधिवेशन और निर्वाचन कराए जाएंगे।

जिला संयोजक देवेन्द्र कुमार वर्मा, जिला सह–संयोजक इन्द्रसेन मिश्रा, राम भरत वर्मा, महेश कुमार और चन्द्रभान चौरसिया ने सभी शिक्षक साथियों से आग्रह किया है कि वे अपने–अपने ब्लॉक के अधिवेशन को सफल बनाने में अपना सक्रिय सहयोग दें।

गन्ना समिति की बैठक में जमकर मारपीट, चले लात–घूंसे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गन्ना समिति कार्यालय में किसानों की समस्याओं को लेकर बुलाई गई बैठक में रविवार दोपहर को हंगामा हो गया। बैठक के दौरान ऊंजी सेंटर से जुड़े एक मुद्दे पर दो पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए। मारपीट के दौरान लात–घूंसे चले और कुछ लोगों ने एक–दूसरे पर कुर्सियां भी फेंकीं। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसमें लोग एक–दूसरे को मारते और कुर्सियां फेंकते दिखाई दे रहे हैं।

बैठक कुसौरा क्षेत्र के गन्ना केंद्रों को रुधौली चीनी मिल से हटाकर मुंडेरवा चीनी मिल से जोड़ने की मांग को लेकर बुलाई गई थी। गन्ना समिति कार्यालय में किसानों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा चल रही थी। दोपहर 3.57 बजे ऊंजी सेंटर से जुड़े एक मामले को लेकर लोगों के बीच बहस शुरू हो गई।

कहासुनी बढ़ने के बाद दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए। कुछ ही देर में बैठक के दौरान मारपीट शुरू हो गई। सामने आए वीडियो में कुछ लोग एक–दूसरे को थप्पड़ और घूंसे मारते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, कुछ लोग कुर्सियां उठाकर एक–दूसरे पर फेंकते भी नजर आ रहे हैं। अचानक हुए विवाद से बैठक में अफरा–तफरी मच गई।

किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए बुलाई गई बैठक में ही मारपीट होने से गन्ना समिति की बैठक की व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल विवाद में शामिल लोगों और घटना की पूरी वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

नमो सेवा का होगा नाट्य मंचन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण और सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत जिला भाजपा द्वारा 'नमो सेवा अनकही कहानियाँ नामक विशेष नाट्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रस्तुति प्रधानमंत्री जी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा को नाटक, संवाद और संगीत के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगी। मंचन में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र सेवा तक की प्रमुख घटनाओं और जनकल्याणकारी पहलों को संवेदनशील और संगीतमय अंदाज में दर्शाया जाएगा। प्रस्तुति को सरल भाषा, प्रभावशाली अभिनय और संगीत का संयोजन रखा गया है ताकि प्रधानमंत्री जी की सेवा यात्रा और जनकल्याण का संदेश समाज के हर वर्ग तक सहजता से पहुँचे।

इस अभियान का लक्ष्य जिले के पांचो विधानसभाओ में 30–30 नाट्य प्रस्तुतियाँ आयोजित करना है। ये प्रस्तुतियाँ स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों, सामुदायिक केंद्रों, बाजारों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर की जाएंगी और प्रत्येक मंचन के साथ स्थानीय स्तर पर जनजागरूकता व सेवा. संबंधी गतिविधियाँ भी संचालित की जाएंगी।

एमएलसी शिक्षक चुनाव में राजनीतिक दलों का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं–राजीव यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ(एकजुट) का कार्यकर्ता सम्मेलन पटेल चौक स्थित ड्रीम स्वराज मैरेज लॉन में संपन्न हुआ। इसमे फैजाबाद गोरखपुर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के सभी 17 जनपदों के संगठन के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रदेशीय कोषाध्यक्ष व चुनाव प्रभारी बिजेन्द्र वर्मा जी व संचालन जिला प्रवक्ता बाबूराम ने किया।

सम्मेलन में गोरखपुर फैजाबाद निर्वाचन क्षेत्र के शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी राजीव यादव ने कहा कि यह चुनाव शिक्षकों का चुनाव है,इसमें राजनीतिक दलों का हस्तक्षेप हरगिज नहीं होना चाहिए।

प्रदेशीय प्रवक्ता श्रवण कुशवाहा ने कहा कि शिक्षक प्रतिनिधि वास्तव में स्वतन्त्र व सेवारत शिक्षक होना चाहिए, तभी वह सदन में शिक्षकों के हित के साथ मजबूती से खड़ा रह सकता है।

–एमएलसी शिक्षक चुनाव कार्यकर्ता सम्मेलन में उठे मुद्दे

अध्यक्षता कर रहे प्रदेशीय कोषाध्यक्ष बिजेन्द्र वर्मा ने कहा कि संगठन लगातार शिक्षकों की समस्याओं को हल करने के लिए सड़कों पर संघर्ष कर रहा है, अब समय है कि हम सदन में भी अपने प्रत्याशी को भेजें, जिससे हमारी लड़ाई और भी मजबूत हो सके।

सम्मेलन में महेंद्र राय, पवन यादव, इनामुल हक,नागेंद्र कुमार,अरविंद यादव,डॉ घनश्याम तिवारी, रमेश यादव,बृजेश चौधरी, बिरजू सरोज,संदीप वर्मा,नंद किशोर यादव, दीपक सिंह प्रेमी, तौआब अली आदि ने भी संबोधित किया।

सम्मेलन में संगठन के सभी जनपदों के जिलाध्यक्ष, मंत्री सहित ध्रुवनारायण, सत्यप्रकाश, बाबूराम ,अनिरुद्ध ,राकेश सिंह,डॉ कमलेश, बृजेश वर्मा,शिवमूर्ति चतुर्वेदी , डॉ श्रवण गुप्ता ,विपिन, अजीत,सुनील मौर्य,अशोक चौधरी,डॉ फूलचंद्र ,शिव प्रकाश,अजय राव ,राजेश ,गणेश वर्मा ,राम भान, वीरेन्द्र यादव,राहुल, शैलेन्द्र चौधरी,फूलचंद्र ,विजय चौधरी ,रणविजय सिंह,मो. उमर,जयप्रकाश चौधरी आदि पदाधिकारी, प्रधानाचार्य व शिक्षक उपस्थित रहे।

2027 चुनाव के लिए तैयार हैं कार्यकर्ता– चंद्रशेखर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने रुधौली क्षेत्र के मानिकचंद में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। चंद्रशेखर ने कहा कि देश में कई सरकारों को देखा है, जिन्होंने वादे तो बहुत किए, लेकिन वे धरातल पर पूरे नहीं हुए। उन्होंने कहा कि कोई संविधान बचाने की बात करता है तो कोई आरक्षण खत्म करने की। एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ बन रहे माहौल और कानूनों को लेकर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि अब लोग घरों में बैठकर इंतजार नहीं करेंगे।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि आजाद समाज पार्टी ने मुकाबला करने और उत्तर प्रदेश में राजकाज बनाने के लिए संघर्ष करने का फैसला किया है। पार्टी ने शुरुआत में 45 प्रभारियों की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि पार्टी की चुनावी तैयारी वर्ष 2022 से चल रही है। वर्ष 2024 में नगीना और डुमरियागंज सीट पर चुनाव लड़ा गया था। नगीना से वह स्वयं सांसद चुने गए, जबकि डुमरियागंज में पार्टी को 80 हजार से अधिक वोट मिले।

चंद्रशेखर ने कहा कि वर्ष 2022 से चुनाव लड़ने के अवसर का इंतजार कर रहे पार्टी कार्यकर्ता अब 2027 के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी ने संघर्ष के जरिए अपनी जमीन तैयार की है और अब यह समर्थन वोट में बदलेगा।

जनसभा में जुटी भीड़ का जिक्र करते हुए चंद्रशेखर आजाद ने दावा किया कि बस्ती में आजाद समाज पार्टी की जड़ें पहले से मजबूत हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जहां सरकारी कार्यक्रमों में कर्मचारियों और विभिन्न वर्गों के लोगों को बुलाकर कुर्सियां भरनी पड़ती हैं, वहीं उनकी सभाओं में लोग खुद पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में पार्टी को खुद को साबित करना था, लेकिन रुधौली की सभा ने संगठन की मजबूती दिखाई है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के पदाधिकारी घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

-संगठन की मजबूती से हासिल होंगे अधिकार- डा. वी.के. वर्मा

बस्ती। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ की बैठक प्रेस क्लब सभागार में मण्डल अध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा के संयोजन मे सम्पन्न हुई। बैठक में समस्याओं पर विन्दुवार विचार के साथ ही संगठन की मजबूती और अधिकारों के लिये रचनात्मक, चरणबद्ध संघर्ष पर जोर दिया गया। डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि परस्पर एकजुटता से ही अधिकार हासिल होंगे। इसके लिये निरन्तर सक्रियता आवश्यक है। प्रदेश महामंत्री आदित्य भारती, संरक्षक डा. नीरज त्रिपाठी, डा. राकेश पाण्डेय ने समस्याओं और संघ के प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

संघ के जिलाध्यक्ष डा. अजय कुमार, जिला महामंत्री आनन्द गौरव शुक्ल, जिला सचिव राकेश कुमार, उपाध्यक्ष डा. अमित पाण्डेय, महिला संगठन मंत्री श्रीमती अनीता की देख रेख में सर्व सम्मत से कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। चिकित्सालयों की इकाइयों के अध्यक्ष एवं महामंत्री घोषित होने के साथ ही ब्लॉक कार्यकारिणी का विस्तार किया गया।

चिकित्सालयों की इकाइयों में जिला महिला चिकित्सालय से अनीता देवी अध्यक्ष और अजीत प्रजापति महामंत्री चुने गए। जिला चिकित्सालय से अवधेश मिश्रा को अध्यक्ष और प्रीति पाण्डेय को महामंत्री बनाया गया। ओपेक चिकित्सालय कैली से पूजा गोंड अध्यक्ष और प्रीति वर्मा महामंत्री चुनी गईं। जिला टीवी चिकित्सालय से अखिलेश चतुर्वेदी को अध्यक्ष और बृजेश यादव को महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई।

घोषित कार्यकारिणी के अनुसार परशुरामपुर ब्लॉक से रितेश सिंह को अध्यक्ष और श्वेतांक सिंह को महामंत्री बनाया गया। विक्रमजोत ब्लॉक से डा. भगवान स्वरूप वेत्ता अध्यक्ष और जटाशंकर त्रिपाठी महामंत्री चुने गए। हर्रैया से कृष्ण मोहन सिंह को अध्यक्ष और अंकित सिंह को महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई। कप्तानगंज ब्लॉक से विजय वर्मा अध्यक्ष और विनोद कुमार महामंत्री बने। दुबौलिया से डॉ. मेराज अहमद को अध्यक्ष और सुजीत सिंह को महामंत्री चुना गया।

मरवटिया ब्लॉक से डा. इंद्रेश चौधरी अध्यक्ष और पंकज सिंह महामंत्री बनाए गए। साऊंघाट से रवीन्द्र पटेल को अध्यक्ष और प्रमोद शर्मा को महामंत्री, जबकि गौर से डॉ. प्रदीप यादव को अध्यक्ष और सुमित सिंह को महामंत्री की जिम्मेदारी मिली। कुदरहा ब्लॉक से डॉ. विवेकानंद सिंह अध्यक्ष और पवन सिंह महामंत्री चुने गए। सल्टौआ ब्लॉक से डॉ. विकास कुमार गोंड को अध्यक्ष और सर्वजीत चौरसिया को महामंत्री बनाया गया। बनकटी ब्लॉक से डॉ. जमील अहमद अध्यक्ष और अस्मिता यादव महामंत्री चुनी गईं।

रुधौली ब्लॉक से उमेश श्रीवास्तव को अध्यक्ष और रीमा पांडे को महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई। भानपुर ब्लॉक से डॉ. अमीश अध्यक्ष और राजेश निषाद महामंत्री बने। बहादुरपुर ब्लॉक से डॉ. नीरज यादव को अध्यक्ष और देवानंद पाठक को महामंत्री चुना गया।

घरेलू रसोई गैस सिलेण्डर के नाम पर घटतौली बंद कराये सरकार– मंजू पाण्डेय

–10 किलोग्राम का कम्पोजिट घरेलू रसोई गैस सिलेण्डर उपभोक्ताओं के साथ धोखा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। घरेलू रसोई गैस को लेकर केन्द्र सरकार की नई व्यवस्था पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की श्रम प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव एवं महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष मंजू पाण्डेय ने सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि इस व्यवस्था से आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। उन्होंने मांग की है कि घरेलू गैस कनेक्शन लेने वालों को 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू सिलेण्डर पूरी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराया जाए।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता मंजू पाण्डेय ने कहा कि देश में रसोई गैस के घरेलू और वाणिज्यिक उपयोग के बीच हमेशा से साफ अंतर रहा है। अब 10 किलोग्राम के कम्पोजिट (नई श्रेणी के) सिलेण्डर घरेलू उपभोक्ताओं को देने से कीमत, क्षमता और असली लाभ को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। उनके अनुसार, यदि कम गैस वाले सिलेंडर के लिए उपभोक्ता को तुलनात्मक रूप से ज्यादा कीमत चुकानी पड़ी, तो इसका सीधा असर आम परिवार की रसोई के बजट पर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि रसोई गैस कोई विलासिता की वस्तु नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की रोजमर्रा की जरूरत है। इसलिए कोई भी नई व्यवस्था लागू करने से पहले उपभोक्ताओं को सिलेंडर की क्षमता,

कीमत, सुरक्षा, रिफिल दर, सब्सिडी की पात्रता और पुराने 14.2 किग्रा घरेलू कनेक्शन से उसके अंतर की स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए। भारतीय तेल कंपनियां 14.2 किग्रा सिलेंडर को घरेलू एलपीजी व्यवस्था का मुख्य आकार मानती रही हैं। इंडियन ऑयल की मौजूदा जानकारी के मुताबिक घरेलू उपयोग के लिए मुख्य रूप से 14.2 किग्रा का सिलेंडर ही उपलब्ध है, जबकि 10 किग्रा का कम्पोजिट सिलेंडर घरेलू गैर–सब्सिडी श्रेणी में दिया जा रहा है।

महंगाई का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस नेत्री ने कहा, 'पहले ही रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने आम परिवार की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। ऐसे में कम वजन के सिलेंडर को बढ़ावा देकर यदि उपभोक्ता पर प्रति किलोग्राम अधिक खर्च का भार पड़ता है तो सरकार को इसका जवाब देना चाहिए।'

उन्होंने सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा कि नया घरेलू कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ता को किस आधार पर 10 किग्रा का सिलेण्डर दिया जा रहा है, उसकी कुल लागत कितनी है और प्रति किलोग्राम एलपीजी की असली कीमत क्या है। साथ ही यह भी बताया जाए कि उपभोक्ता के पास 14.2 किग्रा घरेलू सिलेंडर का विकल्प है या नहीं।

उपभोक्ता को विकल्प के नाम पर ऐसी व्यवस्था स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए, जिससे उसकी रसोई का खर्च बढ़े। घरेलू उपभोक्ताओं के हित में 14 ।2 किग्रा घरेलू सिलेंडर की उपलब्धता और कीमत संबंधी पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए।'

उन्होने केन्द्र सरकार से मांग की कि नई एलपीजी व्यवस्था की उपभोक्ता हित में समीक्षा कराई जाए, कीमत और क्षमता का तुलनात्मक ब्योरा सार्वजनिक किया जाए और किसी भी तरह की अनिवार्यता या अस्पष्टता को तुरन्त खत्म किया जाए।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 सितम्बर 2026 सोमवार

सम्पादकीय

अजीब मोड़ पर एआई

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) एक अजीब मोड़ पर खड़ी है। जहां संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार हैकिंग के जोखिम और मतभेदों के चलते एआई मॉडलों के वैश्विक विकास को धीमा करने के अग्रणी एआई डेवलपर्स की अपनी ही अपील को नजरअंदाज कर रही है, वहीं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन इस तेजी से विकसित हो रही परिस्थिति पर भू–राजनीति द्वारा प्रतिक्रिया देने के तौर–तरीकों के बारे में एक वैकल्पिक नजरिया पेश कर रहा है। एआई कंपनियों और अमेरिका की सरकार ने लंबे समय से डेटा सेंटरों एवं उससे जुड़े दूसरे निवेशों में लगाई जा रही भारी–भरकम रकम को अमेरिका और चीन के बीच की होड़ में अपनी जमीन बचाए रखने के लिए अहम बताया है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तकनीकों और खनिजों के "हथियार के तौर पर इस्तेमाल" के खतरे के बारे में आगाह किया। जबकि, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने "ब्रिक्स एआई ओपन सोर्स कम्युनिटी" की संभावनाओं पर जोर दिया, जो इस सेक्टर में किसी एक देश के दबदबे को चुनौती देगी। भारत ने बीच का रास्ता अपनाया है और अमेरिका की अगुवाई वाले मॉडलों के खिलाफ किसी भी विरोध में शामिल नहीं हुआ है। साथ ही, उसने इस बात पर भी जोर दिया है कि एआई के विकास को राष्ट्रीय प्रतिद्वंद्विता से अलग रखा जाना चाहिए। इस नजरिए के पीछे एक वजह यह है कि भारत का एआई इकोसिस्टम अभी शुरुआती दौर में है। लेकिन साथ ही, वह इस सच्चाई को भी मानता है कि यह एक ऐसी तकनीक है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बदल सकती है और इसे लागू करने की कवायद में शामिल होने से दीर्घकालिक अवधि में फायदे भी हो सकते हैं।

फिर भी, 'ग्लोबल साउथ' कभी–कभी खुद को बड़ी ताकतों की प्रतिद्वंद्विता के बीच में फंसा हुआ पाता है। मसलन, वह एंथ्रोपिक के शक्तिशाली किस्सों और मिथकीय मॉडलों के चलते वैश्विक स्तर पर हो रही छंटनी से पीड़ित है। व्यापारिक विवादों का असर आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) पर पड़ने से एआई से जुड़ी क्षमताओं के विस्तार पर कोई असर न तो होना चाहिए और न ही पड़ने देना चाहिए, क्योंकि इन तकनीकों की वक्त पर और व्यापक सुलभता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। यह उत्साहजनक है कि एआई से जुड़ी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की संयुक्त पहलें, इस केंद्रीकरण का मुकाबला करने के वास्ते मंझोली ताकतों के बीच सहयोग के और रास्ते बना रही हैं। ओपन सोर्स और मिलकर काम करने के तरीके दुनिया के बाकी मुल्कों को एआई के मामले में अमेरिका की आक्रामक और अनिश्चित नीति–निर्माण से बचा सकते हैं। भले ही ऐसे मॉडल अग्रणी निजी मालिकाना हक वाले (प्रोप्राइटरी) मॉडलों की क्षमताओं के मुकाबले पीछे हैं, लेकिन वे तेजी से बेहतर हो रहे हैं। यह उन अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक अच्छी बात है जहां एआई का विकास अभी बहुत उन्नत स्तर पर नहीं पहुंचा है, लेकिन वहां इनका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा सकता है। यह बात खास तौर पर तब सच साबित होती है जब एआई सिस्टम निर्देश न मानने और किसी काम को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जाने – यहां तक कि कमजोर सिस्टम को हैक करने – के संकेत दिखा रहे हैं। ऐसी क्षमताओं जिसे नियंत्रित करने वाले के हिसाब से बहुत ज्यादा या कम किया जा सकता है – का हथियार के तौर पर इस्तेमाल उन मुल्कों के लिए चिंता का सबब है जिनकी साइबर सुरक्षा कमजोर है। ऐसे बदलते खतरों से निपटने वाली रक्षा क्षमताओं का विस्तार तभी संभव है जब तमाम मुल्क उन्हें बड़े पैमाने और कम कीमत पर उपलब्ध कराने के लिए मिलकर काम करें। ब्रिक्स को ऐसा ही एक मंच बनना चाहिए। एआई इतिहास की उन सबसे बड़ी अनजानी बातों को सामने लाता है जिनके बारे में हमें पता नहीं है। लेकिन इसमें इंसानों के लिए जो खतरे हैं, उन्हें देखते हुए इसे ऐसी भू–राजनीति और ताकतवर व कमजोर के बीच भेदभाव वाले ढांचे में नहीं पड़ना चाहिए जो इस क्षेत्र में मौजूद कट्टरपंथियों की सोच को दिशा देते हैं।

असहमति को मिले सम्मान

मनुष्य ने सभ्यता इसलिए नहीं बनाई कि सब एक जैसा सोचें। सभ्यता का अर्थ है कि अलग–अलग सोच वाले लोग एक–दूसरे को नुकसान पहुंचाए बिना साथ रह सकें। मगर सभ्यता की इस लंबी यात्रा के बावजूद मनुष्य एक विकृत प्रवृत्ति से मुक्त नहीं हो पाया है। वह है– अपनी बात को विचार और दूसरे की बात को समस्या समझना। अपनी असहमति उसे स्वतंत्र चिंतन लगती है और दूसरे की असहमति अवज्ञा। ईर्ष्या और द्वेष की जड़ें इसी मानसिकता में छिपी हैं। यानी हम जो कहें– वह तुम सुनो, तुम जो कहो– उसे सुनना हमारी जिम्मेदारी नहीं।

विडंबना यह है कि अधिकांश लोग सार्वजनिक जीवन में लोकतंत्र चाहते हैं, लेकिन अपने निजी संसार में मनमर्जी से काम करना चाहते हैं। राष्ट्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहिए, लेकिन परिवार में नहीं। समाज में समानता चाहिए, पर अपने संबंधों में नहीं। हम चाहते हैं कि बच्चे हमारी बात सुनें, लेकिन उनकी बात सुनने का धैर्य नहीं रखते। दूरियां किसी एक बड़े विवाद से नहीं बनतीं। वे छोटे–छोटे अनसुने वाक्यों से बनती हैं। किसी ने कुछ कहा और हमने पूरा सुने बिना उत्तर दे दिया। किसी ने असहमति जताई और हमने उसके चरित्र का फैसला सुना दिया।

असली समस्या यह है कि हम सुनते हुए भी अपने भीतर बोलते रहते हैं। सामने वाला वाक्य पूरा नहीं करता और हमारे भीतर उत्तर तैयार हो जाता है। हम उसके शब्द नहीं सुन रहे होते, अपनी अगली प्रतिक्रिया लिख रहे होते हैं। मनुष्य को अपनी बात सही सिद्ध करने में कई बार अधिक आनंद आता है। वह बहस जीतकर लौटता है और मान लेता है कि संबंधा भी जीत लिया। जबकि कई बार बहस में मिली विजय, संबंध में मिली पराजय होती है। आपने तर्क जीत लिया, लेकिन सामने वाले का मन खो दिया। यहीं से ईर्ष्या का दूसरा चेहरा सामने आता है। जब हम दूसरे की योग्यता स्वीकार नहीं कर पाते, तो उसकी उपलब्धि हमें अपनी कमी का आईना लगती है। वह आगे बढ़ता है और हमें लगता है कि हमारा स्थान पीछे हो गया।

ईर्ष्या का सुविधाजनक रास्ता है उपलब्धि की व्याख्या बदल देना। मेहनत को भाग्य कह दीजिए, प्रतिभा को संयोग, उपलब्धि को सिफारिश और सफलता को कृपा कह दो। इससे आत्मसम्मान सुरक्षित रहता है। मगर असल बात यह है कि यदि सामने वाला सचमुच योग्य है, तो हमें अपने भीतर झांकना पड़ेगा। द्वेष इसी मानसिक सुविधा का अगला चरण है। ईर्ष्या पूछती है, इसके पास क्यों है? द्वेष कहता है, इसके पास नहीं होना चाहिए। फिर व्यक्ति दूसरे को गिराने में वही संतोष खोजने लगता है, जो उसे स्वयं ऊपर उठने में मिलना चाहिए था। विडंबना यह भी है कि दूर की सफलता हमें प्रेरित करती है और पास की सफलता परेशान। किसी अनजान व्यक्ति की उपलब्धि पर हम कहते हैं, देश का नाम रोशन कर रहा है। वही उपलब्धि पड़ोसी हासिल कर ले, तो भीतर का आलोचक जाग जाता है, इतनी भी बड़ी बात नहीं है। परिवार में यही मनोविज्ञान रिश्तों को भीतर से खोखला करता है। सहमति में साथ चलना सुविधा है, असहमति में साथ रहना सभ्यता।

विधानसभा चुनावः डेमेज कण्ट्रोल में जुटी भाजपा और मुद्दे

—अशोक भाटिया—

लोकसभा चुनाव के बाद से ही अपनी उपेक्षा और अति–पिछड़ों के आरक्षण के मुद्दे को लेकर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर कर रहे निषाद पार्टी के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद को मनाने के लिए भाजपा के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े खुद उनके आवास पर पहुंचे।

उत्तर प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में साल 2024 का लोकसभा चुनाव एक ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज हो चुका है, जिसने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अजेय मानी जाने वाली छवि को गहरा धक्का पहुँचाया। दिल्ली की सत्ता पर लगातार तीसरी बार काबिज होने के बावजूद, देश के सबसे बड़े और राजनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में पार्टी की सीटों का आंकड़ा लगभग आधा रह जाना एक ऐसी चेतावनी थी, जिसे नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित हो सकता था। इस चुनावी झटके ने जहाँ एक ओर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन को नई ऊर्जा दी, वहीं दूसरी ओर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन और अपनी रणनीतियों को नए सिरे से परिभाषित करने पर मजबूर कर दिया। अब जबकि राज्य साल 2027 के विधानसभा चुनाव के मुहाने पर खड़ा है, भाजपा का पूरा ध्यान केवल सत्ता बचाने पर नहीं, बल्कि अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन को वापस पाने और श्मिशन हैट्रिकश को सफल बनाने के लिए एक व्यापक, आक्रामक और बहुआयामी 'डैमेज कंट्रोल' (क्षति नियंत्रण) अभियान पर केंद्रित हो चुका है। यह संपादकीय विश्लेषण इसी बात की पड़ताल करता है कि कैसे भाजपा अपनी पिछली गलतियों से सीखकर 2027 के महासंग्राम के लिए एक अभेद्य चक्रव्यूह रचने का प्रयास कर रही है।यदि 2027 में लखनऊ की गद्दी पर दोबारा भगवा ध्वज लहराना है, तो संगठन की बुनियादी कमियों को दूर करना और सामाजिक व सांगठनिक समीकरणों को नए सिरे से साधना पहली और अनिवार्य शर्त बन चुकी है।

सांगठनिक कसावट के साथ–साथ भाजपा का यह डैमेज कंट्रोल केवल पार्टी कैडर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सहयोगियों और प्रमुख चेहरों को जोड़े रखने के लिए एक आक्रामक राजनीतिक घेराबंदी में बदल चुका है। इसी कड़ी में हाल ही में दो बेहद महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम सामने आए हैं, जो भाजपा की इस गंभीर रणनीति को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। पहला घटनाक्रम रायबरेली सदर से भाजपा विधायक अदिति सिंह का है। पिछले कुछ समय से राजनीतिक गलियारों में अदिति सिंह की कांग्रेस में संभावित वापसी को लेकर तरह–तरह की अटकलें और कयास लगाए जा रही थे। इन अटकलों को पूरी तरह खारिज करते हुए और विपक्ष के मनोबल को तोड़ने के लिए अदिति सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एक उच्च स्तरीय मुलाकात की। इस बैठक ने न केवल सभी अफवाहों पर पूरी तरह विराम लगा दिया, बल्कि यह भी साफ कर दिया कि रायबरेली जैसे गांधी परिवार के पारंपरिक गढ़ में भाजपा अपने किले को अभेद्य रखने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है।

इसी रणनीति का दूसरा और अधिक महत्वपूर्ण हिस्सा अपने नाराज सहयोगियों को संभालना है, जिसमें भाजपा का शीर्ष नेतृत्व कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद से ही अपनी उपेक्षा और अति–पिछड़ों के आरक्षण के मुद्दे को लेकर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर कर रहे निषाद पार्टी के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद को मनाने के लिए भाजपा के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े खुद उनके आवास पर पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मैराथन बैठक का मुख्य उद्देश्य सहयोगी दलों के भीतर पनप रहे असंतोष को समय रहते दबाना और 2027 से पहले एनडीए के कुनबे को पूरी तरह एकजुट रखना है। भाजपा भली–भांति जानती है कि उत्तर प्रदेश जैसी जटिल राजनीतिक पिच पर अनुप्रिया पटेल की अपना दल (एस), ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा और संजय निषाद की निषाद पार्टी जैसे छोटे दल अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विनोद तावड़े का खुद चलकर संजय निषाद के घर जाना यह दिखाता है कि भाजपा अब किसी भी बड़े या छोटे सहयोगी को खोने का जोखिम नहीं उठा सकती और वह गठबंधन के भीतर सत्ता और सम्मान का नया संतुलन बनाने के लिए तैयार है।

इसके अतिरिक्त, युवाओं और रोजगार के मुद्दे पर विपक्ष के आक्रामक हमलों को कुंद करने के लिए सरकार ने अपनी प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह से झोंक दिया है। पिछले कुछ समय में हुए पेपर लीक मामलों ने सरकार की साख पर जो बट्टा लगाया था, उसे धोने के लिए कड़े कानून बनाए गए हैं और पारदर्शी तरीके से भर्ती परीक्षाओं के आयोजन पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटने के कार्यक्रमों में बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि सरकार युवाओं के भविष्य के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। इसके समानांतर, 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्टश और राज्य में आ रहे भारी–भरकम औद्योगिक निवेश के जरिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने के दावों को सोशल मीडिया और जमीनी अभियानों के माध्यम से जनता के बीच ले जाया जा रहा है। विपक्ष द्वारा महंगाई और बेरोजगारी पर बनाए जा रहे माहौल का मुकाबला करने के लिए भाजपा अपनी 'डबल इंजन सरकारश के विकास कार्यों जैसे एक्सप्रेसवे का जाल, हवाई अड्डों का विकास और बेहतर कानून–व्यवस्था को मुख्य ढाल बना रही है।

एक और महत्वपूर्ण मोर्चा जिस पर भाजपा बहुत बारीकी से काम कर रही है, वह है टिकट वितरण और एंटी–इन्कंबेंसी का प्रबंधन। पार्टी के आंतरिक सूत्रों और स्वतंत्र एजेंसियों के माध्यम से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र का गहन और बहुस्तरीय जमीनी सर्वे कराया जा रहा है। इस सर्वे में न केवल विधायकों की लोकप्रियता और उनके कामकाज का आकलन किया जा रहा है, बल्कि जनता के बीच उनकी छवि और कार्यकर्ताओं के साथ उनके व्यवहार को भी मापा जा रहा है। इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि सत्ता विरोधी लहर को काटने और जनता के गुस्से को शांत करने के लिए भाजपा 2027 के चुनावों में 30 से 40 प्रतिशत मौजूदा विधायकों के टिकट काट सकती है या उनके क्षेत्र बदल सकती है। नए, युवा और स्थानीय स्तर पर स्वीकार्य चेहरों को मौका देकर पार्टी एक 'नया और ऊर्जावान' विकल्प पेश करने की तैयारी में है, जिससे बगावत के खतरों को कम से कम किया जा सके। आजमगढ़, अयोध्या, सहारनपुर और मुरादाबाद जैसे मंडलों की हारी हुई सीटों और विशेषकर उन 16 जिलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जहाँ पार्टी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा था, और इन क्षेत्रों की कमान सीधे वरिष्ठ मंत्रियों और संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों को सौंप दी गई है।

अंततः, उत्तर प्रदेश 2027 का चुनाव केवल देश के सबसे बड़े राज्य की सत्ता का फैसला नहीं करेगा, बल्कि यह 2029 के अगले लोकसभा चुनाव की दशा और दिशा भी तय करेगा। भाजपा भली–भांति जानती है कि दिल्ली का रास्ता लखनऊ से होकर ही गुजरता है और यूपी में किसी भी प्रकार की शिथिलता उसके राष्ट्रीय राजनीतिक प्रभुत्व को संकट में डाल सकती है। वर्तमान में भाजपा द्वारा किए जा रहे डैमेज कंट्रोल के प्रयासकृचाहे वह अदिति सिंह की मुख्यमंत्री से मुलाकात हो या विनोद तावड़े का संजय निषाद के घर पहुंचनाकृयह दर्शाते हैं कि पार्टी अपनी पराजय को स्वीकार कर आत्मसंतुष्टि के जाल से बाहर निकल चुकी है और एक अनुशासित सेना की तरह अपनी कमियों को सुधारने में जुट गई है। विपक्ष के सामाजिक नैरेटिव को तोड़ना, कार्यकर्ताओं को दोबारा सक्रिय करना, सहयोगियों को संतुष्ट रखना और सुशासन के दावों पर जनता का विश्वास बहाल करना एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है। लेकिन चुनावी राजनीति के माहिर खिलाड़ी के रूप में भाजपा ने जिस तरह से माइक्रो–मैनेजमेंट और सामाजिक समीकरणों को नए सिरे से गढ़ने का ब्लूप्रिंट तैयार किया है, उसने 2027 की लड़ाई को बेहद दिलचस्प और कड़ा बना दिया है। आगामी महीनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि भाजपा की यह नई बिसात विपक्ष के बढ़ते हौसलों को पस्त करने में कितनी कारगर साबित होती है।

यूपीआईः बोझ तो ग्राहक ही उठायेंगे.?

—अभिनव आकाश—

करोड़ो यूपीआई यूजर्स के मन में एक सवाल घूम रहा है। सवाल ये कि क्या 2000 रुपए से ऊपर की यूपीआई पेमेंट पर आपको पैसा देना होगा? मतलब आप ध्500 की यूपीआई करोगे तो मुफ्त और ध्5000 की करोगे तो क्या आपकी जेब से कुछ कटेगा? और अगर कटेगा तो फिर जिस डिजिटल इंडिया का नाम लेकर सरकार ने खुद कहा था कि यूपीआई फ्री रहेगा। उसी सरकार के अपने कागज में कल पहली बार 2000 को लेकर एक लकीर क्यों खींची? उसी कागज में एक तरफ लिखा था कि बैंक 2000 तक की पेमेंट पर ध्1 नहीं ले सकते। ना सीधे ना घुमाकर। लेकिन दूसरी तरफ 2000 के ऊपर कुछ कंडीशंस लगाई गई थी। वो कंडीशंस क्या पैसा लेने के लिए? सवाल यह भी उठता है कि जो लकीर आज तक कहीं थी नहीं उसे सरकार क्यों लगा रही है?

क्या यूपीआई को लेकर जो नए नियम है वो सिर्फ कागजों के फेरबदल है या वाकई में 2000 के ऊपर चार्ज लगेगा और चार्ज लग रहा है तो किसकी जेब से कटेगा? आम आदमी की जेब से या वो जो इसे बिजनेस में इस्तेमाल करते हैं दुकानदार उनकी जेब से और अगर दुकानदार की जेब से भी जाता है तो क्या वो घूमकर आपके सामान में नहीं जुड़ेगा? यूपीआई से लोग आज शहर से गांव पैसा भेजते हैं। स्कूल की फीस जमा करते हैं। हर महीने घर का राशन ऑनलाइन मंगाते हैं। और जितने लोग यूपीआई से सारा काम करते हैं। अब तो भीख मांगने वाले भी लोग जो हैं वो यूपीआई दिखाते हैं। तो उन सबके मन में ये सवाल है कि भाई साहब 2000 के ऊपर अगर 3000 का बिल गया तो क्या पैसा लोगे? 4000 डॉक्टर की फीस मांगा तो क्या फीस के साथ यूपीआई का भी टैक्स देंगे? और घर का किराया तो 8000, 10000 20,000 हो तो क्या वहां जाएगा?

15 सितंबर को अखबारों में खबर आ गई कि यूपीआई पर 2000 के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर कोई पैसा नहीं लगेगा। सबको समझ में आ गया कि यार 2000 के ऊपर वाले पर तो लगेगा ही लगेगा। सरकार अगर यह कह रही है तो कोई बहुत दिन से ही चल रहा था कि यूपीआई ट्रांजेक्शन पर सरकार चार्ज लगाने वाली है। कई बार खंडन होता, कभी दबी आवाज में खंडन होता, कभी स्पष्टीकरण आता, कभी फ्रेमवर्क पे काम करने की बातें कही जाती। लेकिन 15 सितंबर की ही शाम को वित्त मंत्रालय ने निर्मला सीतारमण का जो मंत्रालय है उसने एक फ्रेमवर्क जारी किया है। फ्रेमवर्क शाम को करीब 7 बजे के आसपास सामने आया है। जिसमें यह साफ कहा गया है कि जी हां 2000 के ऊपर के यूपीआई ट्रांजैक्शन पे अब चार्ज लगेगा। लेकिन शर्तें हैं।

सोशल मीडिया बहस शुरू हो गई। यहीं से खबर आई कि भाई 2000 तक अगर आपने लिखा है तो क्या उसके आगे और यह अफवाह फैलनी तेज हो गई। रोज सुबह चाय वाले को, शाम को दूध वाले को, महीने के आखिर में घर के किराए वाले को आप यूपीआई से पैसा भेजते हैं। वहां पर एक्स्ट्रा पैसा नहीं जाता। क्या अब एक्स्ट्रा जाएगा? यह मैसेज वायरल हुआ कि 2000 के ऊपर की हर पेमेंट पर पैसा कटेगा और वो आपके खाते से कटेगा। कई लोगों ने अपने बैंक की ऐप चेक करनी शुरू कर दी कि पैसा कटा तो नहीं क्योंकि 2019 से यह फ्री था। पर अब क्या होगा? सरकार ने साफ किया है कि यूपीआई इस्तेमाल करने वाला आम ग्राहक के पैसे से रुपया नहीं कटेगा। चाहे पेमेंट कितनी बड़ी भी क्यों ना हो। जो चार्ज की बात है वह एमडीआर है। यानी दुकानदार अपनी बिक्री पर बैंक को जो थोड़ी सी फीस देता है। ठीक वैसे ही जैसे कार्ड से पेमेंट लेने पर देता है। और यह सिर्फ दुकान पर होने वाले पेमेंट की बात है। दोस्त या घर वाले को सीधे पैसे भेजने पर चाहे जितनी बड़ी रकम हो पैसा नहीं जाएगा। हां और अभी तक यह फीस लगाने का कोई अंतिम फैसला भी नहीं हुआ है कि दुकानदार पर कितनी लेगी यह एनपीसीआई की एक कमेटी तय करेगी। यानी वही सरकारी कंपनी जो यूपीआई को पीछे चलाती है और जिसका काम अभी शुरू हुआ है।

इसे भी पढ़ेंरू दोस्त इजरायल को झटका! क्या भारत ने बदल लिया अपना रुख, ईरान के लिए नेतन्याहू को छोड़ा?

आम लोगों पर शुल्क लगेगा? नहीं, UPI भुगतान मुफ्त रहेगा। चाहे भुगतान Person&to &Person (P2P) हो या च्मतेवद–जव–डमतबींदज (P2M), ग्राहक से शुल्क नहीं लिया जाएगा। UPI ऐप भी ग्राहक से कोई फीस नहीं लेंगे। QR स्कैन करने पर चार्ज लगेगा? नहीं। छोटे भुगतान पहले की तरह मुफ्त रहेंगे और व्यापारी यह शुल्क ग्राहक से नहीं वसूलेंगे। सरकार के मुताबिक, बैंक व्यापारियों के लेन–देन पर नजर रखेंगे। छोटे व्यापारी 2,000 से अधिक के भुगतान पर क्या होगा? ऐसे भुगतान पर 0.40ः शुल्क लागू होगा। हालांकि, अगर व्यापारी की UPI से महीने की प्राप्ति 1 लाख तक है, तो MDR नहीं लगेगा।

क्या नया QR कोड लेना होगा?

नहीं। मौजूदा QR कोड से ही भुगतान जारी रहेगा। क्या जीएसटी रजिस्ट्रेशन जरूरी है? नहीं। शून्य MDR का लाभ लेने के लिए GST रजिस्ट्रेशन अनिवार्य नहीं है। सीमा कैसे तय होगी? बैंक व्यापारी के लेन–देन की निगरानी करेंगे। अगर लगातार 3 महीने तक UPI से प्राप्ति 1 लाख से अधिक रहती है, तभी व्यापारी को Person &to& Merchant श्रेणी में बदला जाएगा।

बड़े व्यापारी–ई कॉमर्स

2,000 से कम के भुगतान पर भी जीरो MDR लागू है। वहीं, 75,000 से अधिक के लेनदेन के लिए अधिकतम फीस 300 तय की गई है। क्रेडिट या डेबिट कार्ड के मुकाबले UPI कितना किफायती है? अभी क्रेडिट कार्ड पर 1.5ः से 2.5ः और डेबिट कार्ड पर 0.90ः तक शुल्क लगता है। इसके मुकाबले UPI पर सिर्फ 0.40ः या अधिकतम 300 का शुल्क रहेगा।

कूटनीति के बीच उलझा काली नदी का स्रोत

जय सिंह रावत

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने भारत–नेपाल सीमा के उस विवाद को फिर उठाया है, जिसकी जड़ें 1816 की सुगौली संधि और उसके बाद हुए ब्रिटिश सर्वेक्षणों तक जाती हैं। खनाल ने 15 सितंबर को नेपाल की प्रतिनिधि सभा में कहा कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल के राजनीतिक मानचित्र में शामिल करना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है।

इस विवाद की कुंजी दो सौ साल पुराने एक सवाल में छिपी है सुगौली संधि में जिस 'काली नदी' को सीमा माना गया, उसका वास्तविक उद्गम कहां है? नेपाल लिम्पियाधुरा की ओर से आने वाली लंबी और अधिक जलसमृद्ध कुटी–यांगती को काली या महाकाली की मूल धारा मानता है, जबकि भारत की ऐतिहासिक–प्रशासनिक स्थिति कालापानी क्षेत्र को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा मानती रही है। इसलिए यह जमीन से पहले नदी की पहचान का विवाद है।

1814–16 के आंग्ल–नेपाल युद्ध के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के बीच हुई सुगौली संधि के अनुच्छेद पांच ने काली नदी को नेपाल की पश्चिमी सीमा का आधार बनाया। लेकिन संधि ने ऊपरी हिमालय में नदी के वास्तविक उद्गम को स्पष्ट निर्देशांकों से परिभाषित नहीं किया। कैप्टन विलियम जे. वेब ने 1815 से 1821 के बीच कुमाऊं का सर्वेक्षण किया। मई, 1816 तक काली के ऊपरी स्रोतों तक पहुंच चुका था। कालापानी के झरने उसके शुरुआती सर्वेक्षण में महत्वपूर्ण भौगोलिक चिह्न के रूप में दर्ज हुए।

वर्ष 1817 में ही यह विवाद ब्रिटिश भारतीय प्रशासन और नेपाल दरबार के सामने आ गया था। नेपाल के दावे की जांच के बाद काली के पूर्व में स्थित तिंकर और छांगरू क्षेत्र नेपाल को सौंप दिए गए। इसके बाद नेपाल ने पश्चिम की ओर दावा बढ़ाते हुए कहा कि कुटी घाटी से आने वाली कुटी–यांगती को काली की मुख्य धारा माना जाना चाहिए। बाद में 'हिमालयन गजेटियर' में दर्ज विवरण के अनुसार वेब और अन्य अधिकारियों का मत था कि कालापानी के पवित्र स्रोत से निकलने वाली अपेक्षाकृत छोटी धारा को परंपरागत रूप से काली की मुख्य शाखा माना जाता था और उसी ने नदी को उसका नाम दिया।

सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज 5 सितंबर, 1817 का तत्कालीन सरकारी निर्णय है। कुमाऊं के कमिश्नर जी. डब्ल्यू. ट्रेल को भेजे गए आदेश में गवर्नर–जनरल लॉर्ड मोइरा की सरकार ने नेपाल के कुटी और नाबी संबंधी दावे को स्वीकार नहीं किया। कालापानी नाम की धारा को काली की प्रमुख शाखा और दोनों राज्यों के बीच सीमा मानने की व्याख्या की गई। इस प्रकार सुगौली संधि के तत्काल बाद ही विवाद की जांच हुई और कुटी–नाबी पर नेपाल का विस्तारित दावा अस्वीकार कर दिया गया।

नेपाल उन्नीसवीं सदी के कुछ ब्रिटिश मानचित्रों को अपने पक्ष का प्रमाण मानता है। कुछ शुरुआती नक्शों में लिम्पियाधुरा से आने वाली पश्चिमी धारा को 'काली' दिखाया गया है। बाद के नक्शों में इसी धारा का नाम कुटी और फिर कुटी–यांगती दिखाई देने लगता है। यही विवाद का महत्वपूर्ण विरोधाभास है। 1817 का प्रशासनिक पत्राचार भारत के ऐतिहासिक पक्ष के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करता है, जबकि कुछ ब्रिटिश मानचित्र नेपाल को अपने दावे के लिए आधार देते हैं।

नेपाल का दूसरा प्रमुख तर्क जलविज्ञान पर आधारित है। लिम्पियाधुरा की ओर से आने वाली कुटी–यांगती लंबी है, उसका जलग्रहण क्षेत्र बड़ा है और उसका प्रवाह भी कालापानी की धारा से अधिक बताया जाता है। नदी–विज्ञान में मुख्य धारा पहचानने के लिए लंबाई, प्रवाह और जलग्रहण क्षेत्र महत्वपूर्ण मानदंड होते हैं। नेपाली शोधकर्ता इसी आधार पर इसे वास्तविक ऊपरी काली या महाकाली मानते हैं। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय सीमा केवल आधुनिक जलवैज्ञानिक सिद्धांत से निर्धारित नहीं होती। संधि में प्रयुक्त नदी का अर्थ तय करने में यह भी महत्वपूर्ण है कि संधि के समय दोनों पक्ष किस धारा को उस नाम से पहचानते थे, तत्कालीन प्रशासन ने संधि की कैसी व्याख्या की और बाद में किसका निरंतर प्रशासन रहा।

यदि काला पानी से निकलने वाली धारा को सुगौली संधि वाली काली माना जाए तो सीमा की एक रेखा बनती हैय यदि लिम्पियाधुरा से निकलने वाली कुटी–यांगती को वही काली माना जाए तो सीमा काफी पश्चिम खिसक जाती है। लिपुलेख का महत्व इसे और संवेदनशील बनाता है। यह क्षेत्र भारत, नेपाल और तिब्बत–चीन के संगम के निकट है। लिपुलेख सदियों से हिमालय पार व्यापार का मार्ग रहा है और आज कैलास–मानसरोवर यात्रा का महत्वपूर्ण रास्ता है।

इस विवाद ने 2020 में नया रूप तब लिया, जब नेपाल ने राजनीतिक मानचित्र जारी कर लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को उसमें शामिल किया तथा संविधान संशोधन के जरिए उसे संवैधानिक मान्यता दी। भारत ने इस एकतरफा मानचित्रण को अस्वीकार किया।

– लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

काउंसलिंग से पांच पारिवारिक विवादों का हुआ समाधान

संवाददाता–श्रावस्ती। मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में काउंसलिंग व आपसी संवाद के जरिए पांच पारिवारिक विवादों का समाधान कराया गया। बैठक में दोनों पक्षों की समस्याएं सुनकर आपसी सहमति से सुलह–समझौता कराया गया। परिवार परामर्श केंद्र के प्रभारी शिवशरण गौड़, महिला थाना के उप निरीक्षक साबिर अली, सदस्य मोहम्मद रिजवान व महिला आरक्षी नीतू कुशवाहा की मौजूदगी में मामलों की सुनवाई हुई। काउंसलिंग के दौरान दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर मतभेद दूर करने का प्रयास किया गया। पुलिस के अनुसार सभी पांच मामलों में संबंधित पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद समाप्त कर साथ रहने पर सहमति जताई। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की इस पहल का उद्देश्य पारिवारिक विवादों को संवाद और समझौते के माध्यम से सुलझाना है।

सुभाष सत्या ने सफाईकर्मियों को माला-गमछा पहनाकर सम्मानित किया

संवाददाता–श्रावस्ती। आह्लाद नगर में स्थित परमहंस मंदिर प्रांगण में एक कार्यक्रम हुआ। पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने रविवार 3रु00 बजे के बाद बताया कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर चल रहे स्वेश संकल्प अभियानश के तहत आयोजित किया गया था। इसे उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन, श्रावस्ती की तरफ से कराया गया।

इस दौरान सिरसिया विकासखंड के सफाईकर्मियों को सम्मानित किया गया। उन्हें फूल माला और गमछा पहनाया गया। साथ ही, सफाई के काम में इस्तेमाल होने वाले फावड़ा, झाड़ू और टोकरी समेत कई जरूरी सामान भी बांटे गए। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुभाष सत्या भी मौजूद थे। उन्होंने सफाईकर्मियों के काम की तारीफ की। सत्या ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज बनाने में सफाईकर्मियों की भूमिका बहुत अहम है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के लिए लगातार काम करने वाले इन लोगों का सम्मान करना सबकी जिम्मेदारी है।

सुभाष सत्या भिनगा विधानसभा क्षेत्र में काफी सक्रिय दिख रहे हैं। इस कार्यक्रम को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। उन्हें 289 भिनगा विधानसभा सीट से भाजपा टिकट का मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

पिछले कुछ महीनों से सुभाष सत्या लगातार क्षेत्र में लोगों से मिल रहे हैं और सामाजिक कामों में हिस्सा ले रहे हैं।

हाईवे किनारे मिला शव

संवाददाता–महराजगंज। कोल्हुई थाना क्षेत्र में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब गुरचिहा गांव के पास हाईवे किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला। सड़क किनारे शव देख राहगीरों ने इसकी सूचना आसपास के ग्रामीणों को दी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। गुरचिहा गांव के पास हाईवे किनारे लोगों की नजर एक व्यक्ति के शव को देखा। शव मिलने की सूचना क्षेत्र में तेजी से फैल गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीण मृतक की पहचान करने का प्रयास करते रहे, लेकिन काफी देर के बाद भी उसकी पहचान नहीं हो सकी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर सीएचसी लक्ष्मीपुर भेजा। सीएचसी पर डॉक्टरों ने उसकी मौत की पुष्टि की। पुलिस ने अस्पताल से शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आसपास के गांवों में भी मृतक की पहचान के लिए जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मृतक हाईवे तक कैसे पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई? पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य संभावित साक्ष्यों की भी पड़ताल कर रही है। एसओ आलोक सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पहचान के लिए अन्य थानों को भी सूचना भेज दी गई है।

पीडीए पंचायत में सपाइयों ने भरी हुंकार चुनाव को लेकर मजबूती पर जोर

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सभा टेढ़वा में रविवार को समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए जन पंचायत का आयोजन किया गया। इसमें 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर पीडीए समाज को एकजुट करने व संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि विमलेश पाल रहे। अध्यक्षता विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष अर्जुन यादव ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव रहे। मुख्य अतिथि विमलेश पाल ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में पीडीए समाज के हक व अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। युवाओं को नौकरियों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने पाल समाज से एकजुट होकर 2027 के चुनाव में सपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान व आरक्षण व्यवस्था को कमजोर करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने पर बंद पड़ी योजनाओं को फिर से शुरू कराया जाएगा। कार्यक्रम को सुमन ओझा, राजेश निषाद, महिला सभा जिलाध्यक्ष सत्यभामा सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रणय गौतम, युवजन सभा जिलाध्यक्ष अमरजीत साहनी, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव अशोक यादव, सुधाकर यादव व अमरनाथ यादव ने भी संबोधित किया। संचालन जिला उपाध्यक्ष शत्रुघ्न कन्नौजिया ने किया। इस दौरान विधानसभा ब्लॉक अध्यक्ष पप्पू यादव, राजाराम भारती, दीपक यादव, रंजीत यादव, कोमल पाल, विजय पाल, राजेंद्र पाल, परमानंद पाल समेत आदि कार्यकर्ता व पाल समाज के लोग मौजूद रहे।

घाघरा का जलस्तर खतरे के निशान से 73 सेंटीमीटर नीचे, दो महीने से जलभराव के चलते फसल सड़ने लगी, किसानों ने मुआवजे की मांग की

संवाददाता–गोण्डा। घाघरा नदी का जलस्तर रविवार दोपहर 2 बजे खतरे के निशान से 73 सेंटीमीटर नीचे पहुंच गया है। इससे बाढ़ प्रभावित लोगों को कुछ राहत मिली है, लेकिन तरबगंज तहसील के नवाबगंज क्षेत्र में माझाराठ समेत कई जगहों पर नदी का कटान तेज हो गया है। साखीपुर, चहलवा और दत्तनगर में घाघरा किसानों के खेतों में खड़ी मक्का, धान और गन्ने की फसल को लगातार काट रही है। वहीं, सैकड़ों बीघा खेतों में बाढ़ का पानी भरा होने से फसलें बर्बादी की कगार पर हैं। किसानों के मुताबिक, खेतों में बीते दो महीने से पानी भरा हुआ है। इससे फसलें सड़ने लगी हैं और बीमारी फैलने की आशंका भी बढ़ रही है। किसानों को लाखों रुपये के नुकसान की चिंता सता रही है। उनका कहना है कि इन्हीं फसलों की कमाई से परिवार का खर्च, बच्चों की पढ़ाई और शादी–ब्याह जैसे जरूरी काम पूरे होते हैं। जिला प्रशासन ने राजस्व विभाग के माध्यम से नुकसान का सर्वे कराकर आर्थिक मदद देने की बात कही है। नदी के कटान और फसल बर्बाद होने की आशंका के बीच कुछ किसान खेतों में खड़ी फसल काटकर पशुओं को खिलाने को मजबूर हैं। माझाराठ निवासी जनार्दन और मस्तराम ने बताया कि उन्होंने कड़ी मेहनत से फसल उगाई थी, लेकिन अब नदी खेत काट रही है। उनका कहना है कि नुकसान के बावजूद उन्हें अब तक मुआवजा नहीं मिला और कटान रोकने के लिए विभाग की ओर से कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। ऐसे में पशुओं को फसल खिलाना उनकी मजबूरी बन गई है। गोंडा की मुख्य राजस्व अधिकारी रिंकी जायसवाल ने बताया कि प्रभावित किसानों के नुकसान का आकलन तहसील के अधिकारियों और कर्मचारियों के माध्यम से कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद सरकार के नियमों के अनुसार आर्थिक मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि नदी किनारे बसे गांवों में इस तरह की समस्याएं आती हैं और प्रशासन लगातार प्रभावित लोगों की मदद कर रहा है।

सपा के राष्ट्रीय सचिव सुनील कुशवाहा कांग्रेस में शामिल

संवाददाता–देवरिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सुनील कुशवाहा कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। लखनऊ में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। सुनील कुशवाहा पहले सपा के प्रदेश सचिव और देवरिया–कुशीनगर पूर्व सहकारी बैंक के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद सुनील कुशवाहा ने बताया कि वह राहुल गांधी की राजनीति और उनके संघर्ष से प्रभावित होकर कांग्रेस में आए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश को आगे बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी और संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी लगन से काम करने की बात कही। कांग्रेस में शामिल होने के बाद सुनील कुशवाहा का परिवार लंबे समय से राजनीति से जुड़ा रहा है। उन्होंने समाजवादी पार्टी में कई पद संभाले हैं। उनके पिता रामनरेश कुशवाहा भी समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव रह चुके हैं। सुनील कुशवाहा ने कहा कि कांग्रेस में शामिल होने के बाद वह कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर संगठन को मजबूत करेंगे। उन्होंने पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए पूरी ताकत से काम करने की बात कही।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले मे 35 मरीजों की हुई जांच

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। बरसात के मौसम में बढ़ रही मौसमी और संक्रामक बीमारियों को देखते हुए लगाए गए मेले में 35 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मरीजों को मुफ्त इलाज, दवाएं और डॉक्टरों की सलाह दी गई। स्वास्थ्यकर्मियों ने लोगों को बारिश के मौसम में बीमारियों से बचाव के तरीके भी बताए। जन आरोग्य मेले में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 35 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉक्टरों ने मरीजों की स्वास्थ्य समस्याओं की जानकारी लेकर जरूरी जांच की और बीमारी के अनुसार दवाएं दीं। मेले के माध्यम से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

पीएचसी में तैनात डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने बताया कि इन दिनों सर्दी–जुकाम, खांसी और कई तरह की संक्रामक बीमारियों के मरीज बढ़े हैं। बारिश के मौसम में लोगों को बदलते मौसम और संक्रमण से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। त्वचा संबंधी समस्याओं के मरीज भी स्वास्थ्य केंद्र पहुंच रहे हैं। मेले में ब्लड प्रेशर और शुगर से संबंधित समस्याओं वाले मरीजों की भी जांच की गई। डॉक्टरों ने मरीजों को उनकी स्थिति के अनुसार जरूरी सलाह दी। डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर इलाज से कई बीमारियों को गंभीर होने से रोका जा सकता है। स्वास्थ्यकर्मियों ने ग्रामीणों को बरसात में साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए जागरूक किया। लोगों को गंदा पानी और दूषित खाना खाने से बचने की सलाह दी गई। इसके साथ ही संतुलित जीवनशैली अपनाने और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की अपील की गई। डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने लोगों से अपील की कि बीमारी के शुरुआती लक्षण दिखाई देने पर खुद से दवा लेने के बजाय डॉक्टर की सलाह लें। उन्होंने कहा कि समय पर चिकित्सकीय परामर्श मिलने से बीमारी की सही पहचान और उपचार संभव है। स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या को लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मेले में डॉ. रोहित कुमार वर्मा और फार्मासिस्ट बैजनाथ गुप्ता ने मरीजों की जांच की और आवश्यक दवाएं वितरित कीं। नित्यानंद पांडेय समेत पीएचसी के अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों के रजिस्ट्रेशन, जांच और दवा वितरण में सहयोग किया। मेले में ग्रामीणों को इलाज के साथ स्वास्थ्य और बीमारी से बचाव को लेकर जरूरी जानकारी भी दी गई।

निरक्षरों को साक्षर बनाने की बड़ी पहल, 640 केंद्रों पर 10 हजार अभ्यर्थियों ने दी साक्षरता परीक्षा

संवाददाता–श्रावस्ती। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत रविवार को तीनों ब्लाकों में बनाए 640 केंद्रों पर साक्षरता परीक्षा हुई। इसमें लगभग 10 हजार अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। परीक्षा को लेकर नवसाक्षरों में विशेष उत्साह एवं उमंग देखने को मिला। बीएसए आकांक्षा रावत ने बताया कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम समाज के प्रत्येक व्यक्ति को साक्षर एवं सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसमें बड़ी संख्या में सहभागिता इस अभियान की व्यापकता और सफलता को दर्शाती है।

साक्षरता केवल अक्षर ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के निर्णय स्वयं लेने, आवश्यक जानकारी समझने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करती है। विभाग का प्रयास है कि अधिक से अधिक निरक्षर व्यक्तियों को इस अभियान से जोड़कर उन्हें साक्षर बनाया जाए और साक्षरता के बाद भी उनके निरंतर सीखने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए।

बेसिक शिक्षा विभाग के जिला समंवयक अजीत कुमार उपाध्याय ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज के ऐसे वयस्कों को साक्षर बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा से वंचित रह गए हैं। इसके तहत केवल पढ़ना–लिखना ही नहीं, बल्कि व्यक्तियों को दैनिक जीवन में उपयोगी बुनियादी ज्ञान एवं कौशल से जोड़ने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

राजभर बोले– पूर्वांचल बना तो राजभर का बेटा बनेगा मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश 4 हिस्सों में बंटेगा

संवाददाता–देवरिया। रविवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की सामाजिक समरसता रैली हुई। इस दौरान कैबिनेट मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने यूपी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा– आने वाले समय में उत्तर प्रदेश 4 हिस्सों में बंटेगा। उन्होंने कहा– पूर्वांचल अलग राज्य बना तो वहां राजभर समाज का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा। ओपी राजभर ने 27 प्रतिशत आरक्षण में हिस्सेदारी का मुद्दा उठाते हुए आरक्षण के बंटवारे की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना के बाद आरक्षण में हिस्सेदारी के मुद्दे पर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं का भी जिक्र किया और गरीबों के इलाज, आयुष्मान कार्ड और पेंशन जैसी योजनाओं की जानकारी दी।

रैली में प्रदेश सरकार में मंत्री और पार्टी अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर

तय समय से करीब साढ़े 3 घंटे देर से पहुंचे। सोनूघाट स्थित जनता इंटर कॉलेज के मैदान में ओमप्रकाश राजभर ने रैली को संबोधित किया। आरक्षण, शिक्षा और सामाजिक भागीदारी के मुद्दे पर पार्टी का पक्ष रखा। उन्होंने कहा– गरीब और पिछड़े वर्ग के बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। समाज के बेटा–बेटी पढ़ेंगे, तभी विकास संभव होगा। मंत्री ने कुछ नेताओं की ओर से राजभर समाज के वोट को लेकर की गई टिप्पणी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि राजभर वोट बेचते हैं। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि कोई वह दुकान बताए जहां वोट बेचा जाता है।

राजभर ने कहा कि उन्होंने 14 साल तक गांव–गांव घूमकर लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सामाजिक एकता और संगठन को मजबूत करने की अपील की।

प्रभारी मंत्री ने पिछली सरकार पर कसा तंजः 13 जनपदों के छात्रों ने लिया हिस्सा, संस्कृति और शिक्षा पर दिया जोर

संवाददाता–बहराइच। शिवपुर ब्लॉक के बरदहा कला गांव स्थित मां पार्वती देवी इंटर कॉलेज के खेल मैदान में रविवार को 37वीं प्रांतीय खेल कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। यह तीन दिवसीय प्रतियोगिता विद्या भारती/जन शिक्षा समिति अवध प्रांत की ओर से आयोजित की गई है। इसमें गोला, अयोध्या, अंबेडकर नगर, खीरी, रायबरेली, बाराबंकी, हरदोई, लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच समेत 13 जनपदों के छात्र हिस्सा ले रहे हैं। प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह थे। विशिष्ट अतिथि नानपारा विधायक राम निवास वर्मा थे, जिन्हें खेल प्रतिभागियों ने सलामी दी। प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, विधायक राम निवास वर्मा और विद्यान परिषद सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी समेत अन्य अतिथियों का छात्रों ने वाद घोष और फूलों की बारिश कर स्वागत किया। विधानसभा संयोजक घनश्याम सिंह और मां पार्वती देवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अनुपम मिश्रा ने भी अतिथियों का माला पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। छात्रों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए, जिससे सभी दर्शक प्रभावित हुए। थारू जनजाति की छात्राओं ने अपने कार्यक्रम के जरिए अपनी परंपराओं को दिखाया।

प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने विधान परिषद सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी से विद्यालय में 125 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लगवाने की मांग की। अपने भाषण में उन्होंने पिछली सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज गिरती हुई सभ्यता और संस्कृति में ऐसी शिक्षा की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि पहले जो फिल्में बनती थीं, उन्हें परिवार के साथ नहीं देखा जा सकता था। लेकिन अब मोदी सरकार में हनुमान अंश जैसी फिल्में बन रही हैं, जिन्हें परिवार के साथ देखा जा सकता है और जो हमारी संस्कृति को मजबूत करती हैं।

उन्होंने पीडीए पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि यह सब नकली समाजवाद है। असली समाजवाद ऐसे विद्यालयों में मिलता है, जहां बिना किसी भेदभाव के सभ्यता और संस्कृति को संजोया जाता है। उन्होंने छात्रों को ऐसे विद्यालयों में पढ़ने की सलाह दी और कहा कि पीडीए, समाजवाद और गांधीवाद सब एक दिन चले जाएंगे, सिर्फ सभ्यता और संस्कृति ही बचेगी। विधायक राम निवास वर्मा ने कहा कि यहां सिर्फ योग्यता को प्राथमिकता दी जाती है। यहां कोई भेद भाव नहीं है। असली समाजवाद यही है। उन्होंने कहा कि एक जेब में संस्कृति एक जेब में हिंदी रखे। इस दौरान सदस्य विधान परिषद प्रज्ञा त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर यज्ञसैनी, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सालिकराम लोधी, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवपुर राकेश पाण्डेय, विधानसभा संयोजक भाजपा घनश्याम सिंह चौहान, उप जिलाधिकारी प्रकाश सिंह, क्षेत्राधिकारी पवन कुमार सहित अन्य तमाम अतिथि एवं अभिभावक व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।।

पुलिया से टकराकर नहर में गिरी बाइक, युवक की मौत

संवाददाता–देवरिया। बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुशमौनी गांव के पास शनिवार रात बाइक अनियंत्रित होकर पुलिया से टकराने के बाद नहर में जा गिरी। हादसे में बाइक सवार गुड्डू चौरसिया (35) की मौके पर ही मौत हो गई। वह खुखुंदू थाना क्षेत्र के मझगांवा गांव के रहने वाले थे और मजदूरी करते थे।

परिजनों के मुताबिक, गुड्डू शनिवार रात बाइक से बैकुंठपुर होते हुए बैतालपुर के पास गुडरी गांव जा रहे थे। कुशमौनी गांव के पास अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और पुलिया से टकराने के बाद नहर में जा गिरी। गंभीर चोट लगने के कारण गुड्डू की मौके पर ही जान चली गई।

रविवार सुबह लोगों ने नहर में बाइक पड़ी देखी तो घटना की जानकारी हुई। बाइक को बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों और स्थानीय लोगों ने किसी अज्ञात वाहन की टक्कर की आशंका जताई है, हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

गुड्डू चौरसिया मजदूरी करते थे। परिजनों ने बताया कि शनिवार रात वह बाइक से बैकुंठपुर के रास्ते बैतालपुर के पास गुडरी गांव जा रहे थे। कुशमौनी गांव के पास पहुंचते ही बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई। इसके बाद वह पुलिया से टकराकर नहर में जा गिरी।

रविवार सुबह स्थानीय लोगों की नजर नहर में गिरी बाइक पर पड़ी। इसके बाद बाइक को बाहर निकाला गया। सूचना मिलने पर बरियारपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए। हादसे को लेकर परिजनों और स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि संभव है किसी अज्ञात वाहन की टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित हुई हो। हालांकि, पुलिस ने अभी इस आशंका की पुष्टि नहीं की है। पुलिस घटनास्थल और आसपास के हालात की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष दीपक सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में बाइक अनियंत्रित होकर नहर में गिरने से युवक की मौत की बात सामने आई है। हादसे के अन्य संभावित कारणों की भी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सीण्डि0) महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0

असण्प0वाद संख्या 62/2025

अरविन्द कुमार गुप्ता

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम

मृतक–गोकुल प्रसाद पुत्र श्री स्व0 राज कुमार निवासी भरतपुर परगना मवई तहसील रूदौली जिला–अयोध्या

पेशी दिनांक– 29–09–2026

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि उपरोक्त प्रार्थी ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2026 के माह 09 के 29 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज सी0डि0 फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 29–09–2026 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

गोंड समाज ने उठाई हक की आवाज, बोले–भेदभाव बर्दाश्त नहीं

संवाददाता–महराजगंज। गोंड समाज के अधिकार व पहचान से जुड़े मुद्दों को लेकर रविवार को जिला मुख्यालय परिसर में आवाज बुलंद की। अखिल भारतीय गोंड आदिवासी संघ के जिलाध्यक्ष एड. अंगद गोंड की अध्यक्षता में हुई बैठक में 2027 की जनगणना में गोंड–धुरिया की जाति दर्ज करने की प्रक्रिया में कथित भेदभाव, जाति प्रमाणपत्र बनवाने में उत्पीड़न व नौतनवा में कथित फर्जी थारू प्रमाणपत्रों का मुद्दा गरमाया रहा। संगठन ने मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। जिलाध्यक्ष अंगद गोंड ने कहा कि 2027 की जनगणना में गोंड व धुरिया जनजाति की जाति दर्ज करने की प्रक्रिया सहज व स्पष्ट होनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि जनगणना के प्रथम चरण में कुछ प्रगणकों व सुपरवाइजरों ने गोंड समाज के परिवारों के साथ भेदभाव किया है। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के मानकों के अनुसार जाति प्रमाणपत्र बनवाने में भी गोंड जनजाति के छात्रों को जांच के नाम पर परेशान किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे समाज में नाराजगी है। संगठन ने संबंधित अधिकारियों से प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने व पात्र लोगों को अनावश्यक परेशान न करने की मांग की।कार्यकर्ताओं ने नौतनवा तहसील में कथित फर्जी जाति प्रमाणपत्रों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रमाणपत्रों की जांच कर उन्हें निरस्त किया जाना चाहिए। संगठन ने आरोप लगाया कि दोहरी नागरिकता का लाभ उठाकर कुछ लोग जनजातीय आरक्षण व अधिकारों का लाभ ले रहे हैं। इस दौरान अखिलेश गोंड, रामप्रवेश गोंड, दीपक गोंड, रजत गोंड, संदीप गोंड, बाबूलाल गोंड, वरिष्ठ गोंड, राकेश गोंड, कमलेश, नागेश्वर, बच्चन लाल, राजकुमार, श्रवण, संजय, किशन, नागेंद्र प्रसाद, प्रेमसागर, मनोज आदि लोग मौजूद रहे।

50 फीसदी टिकट काट दीजिए 2017 जैसी जीत होगी पक्की, बंद कमरे में तावड़े के दिए सुझावों की दिनभर चर्चा

संवाददाता–गोरखपुर। भाजपा के उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े शनिवार को अयोध्या के लिए रवाना हो गए। उनके जाने के बाद शुक्रवार को हुई बैठकों के निर्णय और उन्हें दिए गए सुझावों को लेकर पार्टी के भीतर राजनीतिक गर्माहट बढ़ गई। सबसे ज्यादा चर्चा देवरिया के पूर्व जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के उस सुझाव की रही जिसमें उन्होंने कहा कि यदि 2017 जैसी प्रचंड जीत दोहरानी है तो कम से कम 50 प्रतिशत के टिकट काट दिए जाने चाहिए। शुक्रवार को पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के साथ मैराथन मंथन में यूपी प्रभारी ने पूर्व जिलाध्यक्षों और पूर्व विधायकों की बैठक में स्पष्ट रूप से कहा था कि गुटबाजी नहीं चलेगी। उन्होंने ये भी सख्त संदेश दिया कि 2027 में 2017 जैसी जीत दोहरानी है। इसी दौरान देवरिया के पूर्व जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने सुझाव दिया कि आधे विधायकों के टिकट बदलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जनता का भरोसा आज भी मोदी

और योगी पर कायम है और बुनियादी सुविधाओं बिजली–पानी में सुधार हुआ है, बस स्थानीय चेहरों को लेकर रणनीति बदलनी होगी।

पार्टी के पदाधिकारियों के मुताबिक, प्रदेश प्रभारी के पास गोरखपुर क्षेत्र की सभी 62 विधानसभा सीटों का आंकड़ा था। बैठक में जब कोई जनप्रतिनिधि या संगठन का पदाधिकारी किसी मुद्दे को उठाता तो वह उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर जवाब देते थे। कुशीनगर के प्रदर्शन को लेकर एक पदाधिकारी ने लोकसभा चुनाव में कम अंतर से सीट गंवाने के पीछे सपा प्रत्याशी के बिरादरीगत वोटों को वजह बताया। साथ ही सहयोगी दल को दी गई दो सीटों का भी जिक्र किया। इस पर तावड़े ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव के आंकड़े सामने रखते हुए कहा कि कुशीनगर में विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का अंतर करीब 33 हजार था जो लोकसभा चुनाव में घटकर 13 हजार रह गया। उन्होंने कहा कि सपा प्रत्याशी की बिरादरी का वोट वहां बहुत कम था। कमियों की जिम्मेदारी दूसरों पर डालने के बजाय आत्ममंथन की जरूरत है। पूर्व राज्यसभा सांसद जयप्रकाश निषाद ने यूजीसी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से लाई गई व्यवस्था को लेकर अलग–अलग वर्गों की अलग राय है। सवर्ण वर्ग इसे हटाने, जबकि पिछड़ा और अनुसूचित वर्ग इसे लागू करने की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे किसी भी समुदाय को परेशानी न हो और किसी वर्ग को नुकसान न पहुंचे।

अयोध्या की पांचों सीटों पर चुनाव लड़ेगी बसपा

संवाददाता–अयोध्या। बीकापुर में गुलाब मैरिज लॉन में रविवार को बसपा की ओर से विधानसभा स्तरीय प्रबुद्ध वर्ग जनसंवाद सम्मेलन आयोजित किया गया। पूर्व विधायक जितेंद्र सिंह बब्लू और बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का समर्थकों व विप्र समाज के लोगों ने जेसीबी से पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पुरोहितों और बटुकों के वैदिक मंत्रोच्चार व शंखनाद के बीच भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सम्मेलन में बड़ी संख्या में युवा, पार्टी कार्यकर्ता और प्रबुद्ध वर्ग के लोग शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा अयोध्या की पांचों विधानसभा सीटों पर अपनी दावेदारी रखेगी। उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि बसपा शासनकाल में सवर्ण समाज को सम्मान और सत्ता में भागीदारी मिली। उन्होंने कहा कि 2007 में पूर्ण बहुमत की बसपा सरकार बनने पर ब्राह्मण समाज को मंत्री पदों पर प्रतिनिधित्व मिला था। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। पूर्व विधायक जितेंद्र सिंह बब्लू ने कहा कि जनता को ऐसे व्यक्ति को वोट देना चाहिए, जो सुख–दुख में साथ खड़ा रहे और जरूरत के समय फोन उठाए। उन्होंने किसानों को गन्ना खरीद में प्राथमिकता दिलाने, बिजली व्यवस्था सुधारने तथा युवाओं और व्यापारियों से जुड़े मुद्दों पर काम करने की बात कही। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए जनता से सहयोग मांगा। सम्मेलन में बसपा जिला अध्यक्ष केके पासी, विनय पाठक, जितेंद्र मिश्रा, शुभम ओझा ब्रह्मवंशी, भोला शंकर शुक्ला, रामनायक तिवारी, चंद्रभूषण पांडेय, रमाकांत मिश्रा, पवन देव जी महाराज समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस दौरान सहभोज का आयोजन भी हुआ।

हिंसा के खिलाफ 850 लोगों ने बुलंद की आवाज

संवाददाता–अयोध्या। तारुन में किशोरियों और महिलाओं के सम्मान व सुरक्षा को लेकर रविवार को तारुन और नंसा बाजार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। आरोही संस्थान और सहयोगी संस्था पानी संस्थान के संयुक्त अभियान 'चुप्पी तोड़ेंगे, आवाज उठाएंगे–हिंसा के खिलाफ समाज को एकजुट बनाएंगे' के तहत हुए कार्यक्रम में करीब 850 लोगों ने भाग लिया। इस दौरान लोगों ने छेड़खानी, यौन उत्पीड़न, शारीरिक व मानसिक हिंसा और भेदभाव के खिलाफ एकजुट होने का संकल्प लिया। किशोरियों ने हाथों में तख्तियां लेकर 'डर में जीना जीवन नहीं, हर महिला को जीने का अधिकार है' और 'चुप्पी नहीं, शिकायत करें, सुरक्षा के लिए 112 डायल करें' जैसे नारे लगाए। संस्था की ओर से लोगों को हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने और पीड़ित किशोरी या महिला को सहयोग देने की अपील की गई। साथ ही मिशन शक्ति के तहत 181 महिला हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 108 एंबुलेंस, 1930 साइबर क्राइम और 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आरोही संस्थान की अध्यक्ष शालिनी, उपाध्यक्ष पिंकी, सचिव मौसम, एकता, अंशिका, रूबी, नेहा, सरोज, शिम्पी, सृष्टि, सोनाली समेत सदस्य, पानी संस्थान से विक्रम, अखिलेश, उदय, वरिष्ठ कार्यकर्ता लीलावती, 97 एपीएल फेलो व पीयर लीडर्स मौजूद रहे।

पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर एवं भातखंडे जी की जयंती मनाई गई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्थानीय प्रेस क्लब सभागार में पंडित ज्वाला प्रसाद संगीत सेवा संस्थान द्वारा संगीत महर्षि पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर एवं पं. विष्णु नारायण भातखंडे जी की जयंती के अवसर पर शास्त्रीय एवं सुगम संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विनायक, विशिष्ट अतिथि जयंत मिश्रा, प्रकाश गुप्ता, डॉ अजय किशोर ने कहा कि संगीत के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। संगीत से मन को शांति मिलती है और मनुष्य को नई ऊर्जा प्राप्त होती है।

संगीत शिक्षक राजेश आर्य एवं संस्थान के सचिव संतोष श्रीवास्तव, डॉक्टर नवीन सिंह, संगीत शिक्षिका रजनी गुप्ता ने कहा कि संगीत के इन दोनों मनीषियों ने शास्त्रीय संगीत को जन–जन तक पहुँचाया और उसे व्यवस्थित स्वरूप दिया, जिसके चलते आज की नई पीढ़ी शास्त्रीय संगीत से जुड़ रही है।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गान से हुआ इसके बाद स्वरांग ने राग कामोद की प्रस्तुति की तत्पश्चात विभोर ने श्याम भजन गाकर सबका मन मोह लिया। इसके बाद नितेश, स्वरांग, शैलेश, अनिकेत, अपर्णा, स्वरीशा, अनुष्का, रीना, शिखा, अंजली ने राग मल्हार की प्रस्तुति दी। संस्थान के होनहार छात्र श्याम मिश्रा ने बांसुरी वादन कर वाह वाही लूटी बच्चों द्वारा कजरी गीत की भी प्रस्तुति दी गई। अपर्णा के द्वारा भजन की प्रस्तुति दी गई साथ ही साथ संस्थान के बच्चों ने कव्वाली की अनोखी प्रस्तुति देकर सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में कीबोर्ड पर रवि, पैड पर पंकज गौतम, ढोलक पर अभिषेक आर्य ने अपनी संगत से कार्यक्रम में चार चांद लगाया। इस अवसर पर आलोक रंजन, अथर्व, प्रिंस, अभिषेक सेन, प्रमोद आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के प्रबंधक विनोद उपाध्याय ने किया।

नाबालिग को भगाने– दुष्कर्म के मामले में बाल अपचारी गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने नाबालिग को बहला–फुसलाकर भगाने और दुष्कर्म के आरोप में एक बाल अपचारी को हिरासत में लिया है। पुलिस ने 20 सितंबर 2026 को कार्रवाई करते हुए उसे किशोर न्यायालय में पेश किया। मामले में जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराएं बढ़ाई गई थीं।

स्कूल जाने के बाद घर नहीं लौटी थी किशोरी कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र में शिकायतकर्ता ने 2 सितंबर 2026 को पुलिस को तहरीर दी थी। इसमें बताया गया था कि उसकी नाबालिग बेटी 1 सितंबर को स्कूल जाने के बाद घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद कोतवाली खलीलाबाद में मुकदमा दर्ज कराया गया।

जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर बढ़ीं धाराएं मामले की जांच शुरू होने के बाद पुलिस ने किशोरी के संबंध में जानकारी जुटाई और साक्ष्य एकत्र किए। जांच के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं को बढ़ाया गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की तलाश शुरू की। बीएनएस और पॉक्सो एक्ट में कार्रवाई खलीलाबाद के क्षेत्राधिकारी प्रियम राजशेखर पाण्डेय ने बताया कि मामले में मुकदमा संख्या 809/2026 दर्ज है। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(1), 87 और 137(2) के साथ पॉक्सो एक्ट की धारा 5एल/6 के तहत कार्रवाई की गई है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ाई।

20 सितंबर को हिरासत में लिया पुलिस ने 20 सितंबर 2026 को बाल अपचारी को हिरासत में लिया। कार्रवाई के बाद उसे किशोर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मामले में जांच और कानूनी प्रक्रिया नियमानुसार आगे बढ़ाई जा रही है।

सीओ ने दी कार्रवाई की जानकारी सीओ खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय ने बताया कि पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर जांच की। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर धाराएं बढ़ाई गईं। इसके बाद बाल अपचारी को हिरासत में लेकर किशोर न्यायालय भेजा गया।

तीन पुलिसकर्मी कार्रवाई में शामिल रहे बाल अपचारी को हिरासत में लेने और मामले की कार्रवाई में उपनिरीक्षक विनोद कुमार यादव, कांस्टेबल अनिल कुमार यादव और कांस्टेबल कृष्णनारायण गौंड शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कार्रवाई किशोर न्यायालय की प्रक्रिया के अनुसार होगी।

13 साल से लंबित सीएचसी का विधायक ने देखा हाल डिप्टी सीएम के दौरे से पहले तेज हुई तैयारियां

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनघटा क्षेत्र के शिव बखरी में नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का रविवार को क्षेत्रीय विधायक गणेश चंद चौहान ने निरीक्षण किया। यह निरीक्षण 23 सितंबर को प्रस्तावित उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के दौरे की तैयारियों को लेकर किया गया। करीब 13 साल से लंबित सीएचसी के निर्माण को दोबारा गति मिलने से क्षेत्र के लोगों में उम्मीद जगी है। डिप्टी सीएम के कार्यक्रम को देखते हुए अस्पताल परिसर में साफ–सफाई समेत अन्य तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। डिप्टी सीएम के दौरे से पहले विधायक पहुंचे सीएचसी विधायक गणेश चंद चौहान कार्यकर्ताओं के साथ शिव बखरी स्थित सीएचसी परिसर पहुंचे। उन्होंने अस्पताल भवन और आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। 23 सितंबर को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए प्रशासन तैयारियों में जुटा है। निरीक्षण के दौरान विधायक ने कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली।

13 साल से लंबित था स्वास्थ्य केंद्र धनघटा तहसील क्षेत्र का यह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करीब 13 वर्षों से लंबित था। लंबे समय से परिसर में स्वास्थ्य सेवाएं शुरू नहीं हो सकी थीं। क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए दूसरे अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब निर्माण

कार्य दोबारा शुरू होने से स्थानीय लोगों को सीएचसी के संचालन की उम्मीद जगी है। 52 लाख रुपए की मंजूरी से निर्माण को मिली गति सीएचसी के निर्माण के लिए शासन की ओर से 52 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके बाद अस्पताल भवन के निर्माण को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू हुई। लंबे समय से लंबित परियोजना को दोबारा गति मिलने से क्षेत्रीय लोगों में खुशी है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि सीएचसी शुरू होने के बाद आसपास के लोगों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

एसआईटी जांच के बाद दोबारा शुरू हुआ काम विधायक गणेश चंद चौहान ने बताया कि एसआईटी जांच पूरी होने के बाद सीएचसी का निर्माण दोबारा शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित परियोजना को पूरा कराना जरूरी है, ताकि इसका लाभ क्षेत्र की जनता को मिल सके। विधायक ने सीएचसी के संचालन को अपनी पहली प्राथमिकता बताया। परिसर में शुरू हुई साफ–सफाई डिप्टी सीएम के प्रस्तावित दौरे को लेकर 13 साल से खाली पड़े सीएचसी परिसर में साफ–सफाई का काम शुरू हो गया है। परिसर को व्यवस्थित करने के साथ कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही हैं। प्रशासनिक स्तर पर भी दौरे को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी करने की प्रक्रिया चल रही है। सीएचसी संचालन से स्थानीय लोगों को मिलेगी सुविधा विधायक गणेश चंद चौहान ने कहा कि सीएचसी का संचालन शुरू होना क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण होगा। इससे मरीजों को प्राथमिक और सामुदायिक स्तर की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल को जल्द संचालित कराने की दिशा में आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। अब लोगों की नजर 23 सितंबर को होने वाले उपमुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे पर है।

डॉ. परमानंद साहित्य के पारस पत्थर थे, जिसे छू लिया निखर गया –कृष्ण चंद्र लाल

संवाददाता–गोरखपुर। साहित्यकार प्रो. कृष्ण चंद्र लाल ने कहा कि डॉ. परमानंद श्रीवास्तव साहित्य के पारस पत्थर थे। उन्होंने जिस प्रतिभा को छू लिया, वह निखर गई। उनका पूरा व्यक्तित्व साहित्यिक था। रहन–सहन से लेकर पहनावे तक में उन्होंने स्तरीय साहित्यिकता बनाए रखी। उनके साथ विश्वविद्यालय आने–जाने के दौरान रिक्शे पर हर दिन साहित्य की बातें होती थीं, लेकिन कभी ऊब नहीं होती थी। बल्कि बिना पढ़े ही उनके साथ रहते हुए साहित्यिक रूप से समृद्ध होता गया। वह मेरे लिए रेडियो और टेलीविजन सब कुछ थे। प्रो. कृष्ण चंद्र लाल,'परमानंद श्रीवास्तव रू अवदान और महत्व' विषयक राष्ट्रीय साहित्य गोष्ठी के प्रथम दिन दूसरे सत्र में उनके 'जीवन और कृतित्व' पर चर्चा कर रहे थे। इस सत्र की अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो अनंत मिश्र, संचालन परम प्रकाश राय और अपराजिता श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। अपने संस्मरण साझा करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. परमानंद परिष्कृत खड़ी हिंदी बोलते थे और रिक्शा चालक से भी शुद्ध हिंदी में बातचीत करते थे। उनके व्यक्तित्व और साहित्यिक उपलब्धियों में पत्नी ज्ञानवती श्रीवास्तव के योगदान को उन्होंने हमेशा स्वीकार किया। वह इस मायने में भाग्यशाली थे कि उन्हें ऐसा परिवार मिला।

कवि स्वप्निल श्रीवास्तव ने डॉ. परमानंद श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे साहित्य के पूर्णकालिक नागरिक थे। उनकी कविताओं में पुराने मुहावरे से निरंतर मुक्त होने की प्रक्रिया दिखाई देती है। इनके निधन के बाद हिंदी कविता की आलोचना में जो शून्य पैदा हुआ है, वह बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि 21 वीं शताब्दी के लगभग तीन दशक बीतने को हैं, लेकिन अभी तक इस दौर के साहित्य का समुचित मूल्यांकन नहीं हुआ है। डॉ प्रेमचंद सिंह, डॉ मुमताज खधन, रविनंदन, प्रो मधुप कुमार, प्रेमव्रत तिवारी, नागेश राम त्रिपाठी, उषा कुमार, डॉ रंजना जायसवाल, उषा श्रीवास्तव, दस्तक की संपादक सीमा, विभूति नारायण ओझा, कौस्तुभ ने परमानंद श्रीवास्तव के साथ अपने यादें साझा करते हुए उनके साहित्यिक अवदान के बारे में बताया।

दस्तक पत्रिका की संपादक सीमा ने कहा कि डॉ परमानंद का साहित्य राजनीति से संवाद करता था, अपने समय को वे अपनी कविता में साहस के साथ दर्ज करते थे, उत्तर गुजरात कविता का उन्होंने हवाला दिया। डॉ रंजना जायसवाल ने कहा कि वे दलित, स्त्री के अधिकारियों के संरक्षक और सामंती सोच के विरोधी थे। उन्होंने साम्प्रदायिकता के खिलाफ आवाज उठाई, डॉ नागेश राम त्रिपाठी ने कहा कि कविता का मर्म और कविता के यथार्थ पर जब विवाद उठा तो उन्होंने उसका जवाब उन्होंने अपनी पुस्तक 'कविता का उत्तर जीवन' में दिया। कवि मधुप कुमार ने कहा कि अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि प्रख्यात साहित्यकार नामवर सिंह के युग के सिर्फ नामवर नहीं थे बल्कि उस युग में डॉ परमानंद सर्वोत्तम भाष्यकार, डॉ मैनेजर पाण्डेय उनके संस्करण थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके विचारों से असहमति हो सकती है। डॉ प्रेमचंद सिंह, डॉ मुमताज खधन, रविनंदन, डॉ प्रेमव्रत तिवारी, डॉ नागेश राम त्रिपाठी, डॉ उषा कुमार, उषा श्रीवास्तव, विभूति नारायण ओझा, कौस्तुभ ने परमानंद श्रीवास्तव के साथ अपने यादें साझा करते हुए उनके साहित्यिक अवदान की चर्चा की।

सीट के नीचे गुप्त बॉक्स में रखा था 74.65 किलो गांजा, अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश, 2 तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–अयोध्या। अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। मवई पुलिस ने स्वाट और सर्विलांस टीम के साथ रविवार सुबह एनएच–27 पर मवई चौराहा ओवरब्रिज के पास एक कार से 74 किलो 645 ग्राम गांजा बरामद किया। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की कीमत लाखों रुपये बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, रविवार सुबह मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा से गांजे की बड़ी खेप कार में भरकर अयोध्या के रास्ते लखनऊ ले जाई जा रही है। सूचना पर मवई पुलिस ने स्वाट और सर्विलांस टीम के साथ एनएच–27 की सर्विस लेन पर घेराबंदी की। कुछ देर बाद संदिग्ध हुंडई वरना कार वहां पहुंची। पुलिस ने कार को रोककर तलाशी ली तो सीट के नीचे बनाए गए गुप्त बॉक्स में गांजा छिपा मिला। वजन कराने पर कुल 74 किलो 645 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे पुरानी कारों में सीट के नीचे गुप्त बॉक्स बनवाते थे। इसी में गांजा छिपाकर ओडिशा से लखनऊ तक ले जाते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी ओडिशा से गांजा कम कीमत में खरीदते थे और लखनऊ व आसपास के जिलों में ऊंचे दाम पर बेचते थे। इससे उन्हें मोटा मुनाफा होता था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कृष्ण गोपाल श्रीवास्तव निवासी अस्तबल यहियागंज, थाना चौक, लखनऊ और अरविंद कुमार वर्मा निवासी बूड़नपुर मोतीधारपुर, थाना बसखारी, अंबेडकरनगर के रूप में की है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल हुंडई वरना कार भी जब्त कर ली है। मामले में मवई थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक आयुष यादव, उपनिरीक्षक शिवम सिंह, हेड कांस्टेबल मो. फारुक और कांस्टेबल फैज़ल शामिल रहे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

आग से भूसा बनाने वाली दो मशीनें जलीं

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के बालूशासन गांव में आग की चपेट में आने से भूसा बनाने वाली दो मशीन जलकर खाक हो गई। इसे किसी के द्वारा जलाए जाने का आरोप है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। बघौली चौकी पुलिस के अनुसार पीआरवी द्वारा सूचना मिली कि ग्राम बालूशासन में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक घर के पीछे रखी भूसा बनाने वाली दो मशीनों को जला दिया गया। इस सूचना पर चौकी इंचार्ज पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। पूछताछ में बताया कि राम शंकर गुप्ता पुत्र स्वर्गीय मुन्नीलाल गुप्ता ग्राम बालूशासन थाना खलीलाबाद द्वारा भूसा बनाने वाली दो मशीनों को अपने घर के पीछे खड़ा कर उसे पॉलिथीन की पन्नियों से बांधकर रखा गया था दोनों मशीनों को ग्रामीण की रात में किसी अज्ञात व्यक्ति ने जला दिया है। उक्त दोनों मशीनों को जलाने का उद्देश्य तथा जलाने वाले व्यक्ति के संबंध में गहनता से जांच की जा रही है।

चोरी की तैयारी में पकड़े गए दो आरोपी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पथरा बाजार पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने चोरी की योजना बना रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों के पास से चोरी के औजार और 12,600 रुपए नकद बरामद हुए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने पिछले दो महीने में खेसरहा और चिल्हिया थाना क्षेत्रों में हुई चोरी की घटनाओं में शामिल होने की बात बताई। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी का सामान भी बरामद करने का दावा किया है। पुलिस टीम 20 सितंबर 2026 की रात क्षेत्र में संदिग्ध लोगों और वाहनों की चेकिंग के साथ गश्त कर रही थी। इसी दौरान एंटी थेफ्ट टीम के साथ पुलिस बनगवा पड़ाइन मोड़ से अजगरा जाने वाले रास्ते पर पहुंची। करीब 100 मीटर आगे एक मकान के पास दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों को रोककर पूछताछ की और बाद में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शाकिब (करीब 24 वर्ष) और अब्दुल रहमान (करीब 26 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों डुमरियागंज थाना क्षेत्र के टिकरिया गांव के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी में इस्तेमाल किए जाने वाले औजार और 12,600 रुपए नकद बरामद किए। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने खेसरहा और चिल्हिया थाना क्षेत्रों में पिछले दो महीनों के दौरान हुई चोरी की घटनाओं में शामिल होने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का सामान भी बरामद किया। पुलिस अब बरामद सामान और पूर्व में दर्ज चोरी के मामलों के बीच संबंधों की जांच कर रही है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर की गई। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद और क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में पथरा बाजार थानाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम और एंटी थेफ्ट टीम ने कार्रवाई की। पुलिस टीम ने रात में गश्त और चेकिंग के दौरान संदिग्धों को पकड़ा। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस नंबर 77/2026 में धारा 313 और 317(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। गिरफ्तारी के बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से खेसरहा और चिल्हिया क्षेत्र में हुई दो अन्य चोरी की घटनाओं का भी खुलासा हुआ है। बरामद सामान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मरवटिया पीएचसी में लगा मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला, मरीजों की जांच कर बांटी निशुल्क दवाएं

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खेसरहा क्षेत्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) मरवटिया में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में आसपास के अलग–अलग गांवों से मरीज पहुंचे। स्वास्थ्यकर्मियों ने उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं सुनीं और शुरुआती जांच की। जांच के बाद डॉक्टरों ने मरीजों को जरूरी परामर्श दिया और जरूरत के अनुसार निशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराईं। स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों को बीमारी से बचाव और समय पर उपचार कराने के लिए जागरूक किया। स्वास्थ्य मेले में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अपनी अलग–अलग स्वास्थ्य समस्याएं लेकर पहुंचे। स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों की शुरुआती जांच की और उनकी परेशानी के बारे में जानकारी ली। इसके बाद डॉक्टरों ने जांच के आधार पर मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। जांच और चिकित्सकीय सलाह के बाद मरीजों को उनकी जरूरत के अनुसार निशुल्क दवाएं दी गईं। इससे सामान्य बीमारियों से परेशान ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर ही उपचार और दवा की सुविधा मिल गई। स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों को दवाओं के सेवन और उपचार से जुड़ी जरूरी जानकारी भी दी। मेले में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मरीजों को बीमारी से बचाव के उपाय बताए। साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर समय से इलाज कराने की सलाह दी गई। स्वास्थ्यकर्मियों ने कहा कि बीमारी को नजरअंदाज करने के बजाय शुरुआती लक्षणों पर ही चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को उनके घर के आसपास स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इससे सामान्य बीमारियों की जांच, इलाज संबंधी सलाह और जरूरी दवाओं के लिए ग्रामीणों को दूर के अस्पतालों का चक्कर नहीं लगाना पड़ता। मरवटिया पीएचसी में भी मरीजों को एक ही जगह पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। मेले के दौरान फार्मासिस्ट पीपी यादव, लैब टेक्नीशियन जितेंद्र कुमार, स्वीपर रफीक मोहम्मद और वार्ड बॉय राधेश्याम समेत स्वास्थ्य केंद्र के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मचारियों ने मरीजों की जांच, दवा वितरण और मेले से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग किया

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया कम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुंगी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com